PAPER-III
SANKRIT

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ___________________________
   (Name) ______________________________
2. (Signature) ___________________________
   (Name) ______________________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.___________________________________

(In words)

D 2 5 1 1

Time : 2 $^1/_2$ hours] [Maximum Marks : **200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **19**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (केलकुलेटर) या लॉग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

SANSKRIT
संस्कृत

PAPER – III
प्रश्नपत्र – III
प्रश्नपत्रम् – III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein. **All questions should be attempted only in Sanskrit language.**

नोट : **सभी प्रश्नों का उत्तर संस्कृत भाषा में ही देना है ।** यह प्रश्नपत्र **दो सौ** (200) अंकों का है एवं इसमें **चार** (4) खण्ड हैं । अभ्यर्थी इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार दें ।

सूचना : अस्य प्रश्नपत्रस्य **द्विशतम्** (200) अङ्का: सन्ति । प्रश्नपत्रमिदं **चतुर्षु** खण्डेषु विभक्तमस्ति । सर्वेषाम् प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषायामेव देयानि । अभ्यर्थिभि: खण्डश: निर्दिष्ट विशेष सूचनानुसारं खण्डान्तर्गतप्रश्ना: समाधेया: ।

SECTION – I
खंड – I
खण्डः – I

Note : This section consists **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

नोट : इस खण्ड में **बीस-बीस** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर लगभग **पाँच सौ** (500) शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

सूचना : अस्मिन् प्रथमे खण्डे निबन्धात्मकौ **द्वौ** प्रश्नौ स्तः । एकैकस्य प्रश्नस्य विंशतिः (20) अङ्काः सन्ति । प्रत्येकम् उत्तरम् **पञ्चशत** (500) शब्दात्मकं भवेदिति अपेक्षा । **(2 × 20 = 40 अङ्काः)**

1. ऋग्वेदे उषसः स्वरूपं निरूपयत ।

अथवा

शब्दबलणः स्वरूपं भर्तृहरिभतेन सप्रमाणं विवृणुत ।

अथवा

सिद्धान्तव्याप्तौ प्रतियोगिव्यधिकरणत्वं किं रूपम् ? – इति स्कुटं प्रतिपाद्यताम् ।

अथवा

रसगङ्गाधरमतानुसारेण काव्यस्वरूपं विमृश्यताम् ।

अथवा

स्कन्दगुप्तस्य गिरिनारशिलालेखस्य विशिष्टतां सुस्पष्टीकुरुत ।

2. यास्कप्रणीतम् निरुक्तमाश्रित्य देवतास्वरूपम् विवेचयत ।

अथवा

'अनेकमन्यपदार्थे' इति सूत्रं सोदाहरणम् प्रक्रियापुरस्सरं विशदयत ।

अथवा

'तत्तु समन्वयात्' इति बलसूत्रं शाङ्करभाष्यानुसारेण व्याख्यायताम् ।

अथवा

कविव्यापारवक्रत्वप्रकारा: कति ? के च ते ? तान् सोदाहरणं संक्षेपेण विविच्यताम् ।

अथवा

शिलालेखस्य कोऽभिप्राय: ? शिलालेखानां च सामग्री कति विधा ? विशदतया निरूपयत ।

SECTION – II

खंड – II

खण्ड: – II

Note : This section contains **three (3)** questions from each of the electives/specializations. The candidate has to choose only one elective/specialization and answer all the three questions contained therein. Each question carries **fifteen (15)** marks and is to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 marks)**

नोट : इस खण्ड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से **तीन** (3) प्रश्न हैं । अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी के तीनों प्रश्नों के उत्तर देने हैं । प्रत्येक प्रश्न **पन्द्रह** (15) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग **तीन सौ** (300) शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

सूचना : अस्मिन् खण्डे प्रत्येकम् ऐच्छिकविभागत: **त्रय: त्रय:** प्रश्ना: सन्ति । तेषु कमपि एकम् ऐच्छिकं विषयमाश्रित्य त्रयाणाम् प्रश्नानाम् उत्तराणि दातव्यानि । प्रतिप्रश्नम् **पञ्चदश** (15) अङ्का: सन्ति । उत्तरं **त्रिशत** (300) शब्दात्मकम् भवेदित्यपेक्षा । **(3 × 15 = 45 अङ्का:)**

ऐच्छिक: – I

3. शिवसङ्कल्पसूक्तमाश्रित्य मनस: स्वरूपं निरूप्यताम् ।
4. राष्ट्राभिवर्धनसूक्तस्य सार: स्वभाषायां लिख्यताम् ।
5. "कति विधा: मन्त्रा:" ? – इत्यस्मिन् विषये यास्कमतं प्रस्तूयताम् ।

ऐच्छिक: – II

3. ध्वनिस्फोटयो: स्वरूपं विलिख्य, तयो: सम्बन्धो विमृश्यताम् ।
4. विविधार्थेषु वर्तमानानां अव्ययानाम् अव्ययीभाव समास: सोदाहरणं विवृणुत ।
5. पाणिनीयशिक्षानुसारेण वर्णोच्चारणप्रक्रियां प्रदर्शयत ।

ऐच्छिक: – III

3. योगदर्शने चित्तवृत्तीनां किं स्वरूपम् ? – इति सूत्रनिर्देशपुरस्सरं निरूप्यताम् ।
4. बौद्धानां क्षणिक विज्ञानवाद: निरूपणीय: ।
5. हेत्वाभासानां भेदा: सोदाहरणं विलिख्यन्ताम् ।

ऐच्छिक: – IV

3. "तात्पर्यार्थोऽपि केषुचित्" इत्येषा कारिका व्याख्येया ।
4. कुन्तकाभिमतं काव्यमार्गत्रयं विमृश्यताम् ।
5. राजशेखरमतानुसारेण काव्यपुरुषोत्पत्तिं वर्णयत ।

ऐच्छिकः – V

3. यशोधर्मण: स्तम्भ-शिला-अभिलेखानां परिचयो देय: ।

4. रुद्रदाम्नो गिरनार-शिलालेखं वर्णयत ।

5. हर्षस्य बांसवाड-ताम्रपट्टाभिलेखस्य विवरणं कुरुत ।

SECTION – III
खंड – III
खण्डः – III

Note : This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 marks)**

नोट : इस खण्ड में **दस-दस** (10-10) अंकों के **नौ** (9) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास** (50) शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

सूचना : अस्मिन् खण्डे **दश** (10) अङ्कपरिमिता **नव** (9) प्रश्नाः सन्ति । एकैकस्य प्रश्नस्य प्रायशः **पञ्चाशत्** (50) शब्दात्मकम् उत्तरं देयम् । सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः । **(9 × 10 = 90 अङ्काः)**

6. "सहस्रशीर्षा पुरुषः सहस्राक्षः सहस्रपात्" – इत्यस्य मन्त्रस्य व्याख्या कार्या ।

7. “कुर्वन्नेवेह कर्माणि जिजीविषेच्छतं समा:” – इति मन्त्रमाश्रित्य कर्मसिद्धान्त: प्रतिपादनीय: ।

8. अधो विन्यस्तानां पदानां निर्वचनं क्रियताम् ।

(i) आचार्य:

(ii) समुद्र:

(iii) अग्नि:

9. ‘भू’ धातोः लटि कमप्येकंरूपं प्रमुखसूत्रोल्लेखपूर्वकं साधयत ।

10. ‘त्रिवृत्करणश्रुतेः पञ्चीकरणस्याप्युपलक्षणत्वात्’ व्याख्यायताम् ।

11. रामायणस्य साहित्यिकं महत्त्वं प्रतिपादयत ।

12. मनुस्मृत्यनुसारं राज्ञः कर्तव्यम् उपपादयत ।

13. अभिज्ञानशाकुन्तलस्य चतुर्थाङ्कस्य वैशिष्ट्यं सोदाहरणं प्रतिपाद्यताम् ।

14. “ये रसस्याङ्गिनो धर्मा:” – इति काव्यप्रकाशानुसारं विशदशत ।

SECTION – IV

खंड – IV

खण्ड: – IV

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

(5 × 5 = 25 marks)

नोट : इस खण्ड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच** (5) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस** (30) शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच** (5) अंकों का है । **(5 × 5 = 25 अंक)**

सूचना : अस्मिन् खण्डे निम्नलिखितं गद्यखण्डम् आश्रित्य **पञ्च** (5) प्रश्ना: सन्ति । एकैकस्य प्रश्नस्य प्रायश: **त्रिंशत्** (30) शब्दात्मकम् उत्तरम् देयम् । प्रत्येकम् प्रश्नस्य **पञ्च** (5) अङ्का: सन्ति । **(5 × 5 = 25 अङ्का:)**

कस्मिंश्चिदधिष्ठाने उज्जवलको नाम रथकार: प्रतिवसति स्म । स च अतीव दारिद्रयोपहत: चिन्तितवान् अहो, धिगियं दरिद्रता ! अस्मद्गृहे यत: सर्वोऽपि जन: स्वकर्मणा एव रत: तिष्ठति, अस्मदीय: पुनर्व्यापारो नात्र अधिष्ठानेऽर्हति । यत: सर्वलोकानां चिरन्तना: चतुर्भूमिका गृहा: सन्ति । तत् किं मदीयेन रथकारत्वेन प्रयोजनम् ? इति चिन्तयित्वा देशात् निष्क्रान्त: । यावत् किञ्चिद्वनं गच्छति, तावत् गह्वराकारवनगहनमध्ये सूर्यास्तमनवेलायां स्वयूथात् भ्रष्टां प्रसववेदनया पीड्यमानाम् उष्ट्रीम् अपश्यत् । स च दासेरकयुक्ताम् उष्ट्रीं गृहीत्वा स्वस्थानाभिमुख: प्रस्थित: । गृहमासाद्य रज्जुं गृहीत्वा तत् उष्ट्रिकां बबन्ध च । ततश्च तीक्ष्णं परशुमादाय तस्या: कृते पल्लवानयनार्थं पर्वतैकदेशे गत: । तत्र च नूतनानि कोमलानि बहूनि पल्लवानि छित्वा शिरसि समारोप्य तस्या: अग्रे निचिक्षेप । तया च तानि शनै: शनै: भक्षितानि । पश्चात् पल्लवभक्षणप्रभावात् अहर्निशं पीवरतनु: उष्ट्री सञ्जाता । सोऽपि दासेरको महान् उष्ट्र: सञ्जात: । तत: स नित्यं दुग्धं गृहीत्वा स्वकुटुम्बं परिपालयति । अथ रथकारेण वल्लभत्वात् दासेरकग्रीवायां महनी घण्टा प्रतिबद्धा । पश्चात् रथकारो व्यचिन्तयत् – अहो ! किमन्यै: दुष्कृतकर्मभि: ? यावत् मम एतस्मादेव उष्ट्री परिपालनात् अस्य कुटुम्बस्य भव्यं सञ्जातम्। तत् किमन्येन व्यापारेण ? एवं विचिन्त्य गृहमागत्य प्रियामाह – भद्रे ! समीचीनोऽयं व्यापार: । तव सम्मति: चेत् कुतोऽपि धनिकात् किञ्चित् द्रव्यमादाय मया गुर्जरदेशे गन्तव्यं करभग्रहणाय, तावत् त्वया एतौ यत्नेन रक्षणीयौ,

यावत् अहमपराम् उष्ट्रीं नीत्वा समागच्छामि । ततश्च गुर्जरदेशं गत्वा उष्ट्रीं गृहीत्वा स्वगृहमागत: । किं बहुना ? तेन यथाकृतं यथा तस्य प्रचुरा उष्ट्रय: करभाश्च सम्मिलिता: । ततस्तेन महत उष्ट्रयूथं कृत्वा रक्षापुरुषो धृत: । तस्य वर्षं प्रति वृत्त्या करभमेकं प्रयच्छति । अन्यच्च अहर्निशं दुग्धपानं तस्य निरूपितम् । एवं रथकारोऽपि नित्यमेव उष्ट्रीकरभव्यापारं कुर्वन् सुखेन तिष्ठति ।।

15. रथकार: किं चिन्तयित्वा देशात् निष्क्रान्त: ?

16. रथकार: वने किं प्राप्तवान् ?

17. उष्ट्री पीवरतनुः केन प्रकारेण सञ्जाता ?

18. रथकारः गुर्जरप्रदेशं किमर्थं गतवान् ?

19. रक्षापुरुषाय रथकार: वेतनरूपेण किं प्रयच्छति ?

Space For Rough Work

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....